28/2/18	पत्रावली पेश हुई। अभि० एवं अभियोजक अधिकारी उपस्थित। श्री० व उनके अभियोजक उपस्थित। अभियोजक अधिकारी के एक प्रा० पत्र बारे किये जाने विहीन अपील पेश किया जो शा० पत्रा० किया। श्री० व उनके श्री० के प्राथ पत्र स्वीकार किये जाने के कोई आपत्ति नहीं होना जाहिर करते हुये, आदेशिका पर अपने हस्ता० किये। प्रा० पत्र का अवलोकन किया न्यायहित है। प्राथ पत्र बावत किये जाने विहीन अपील स्वीकार किया जाकर अपील अपीलार एवं विहीन एक स्वाधिन की जाती है। पत्रावली निर्णय शुमार होकर बाद लागिल एकमील दाखिल दफ्तर हो।	